Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भूगोल

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

अध्याय–4

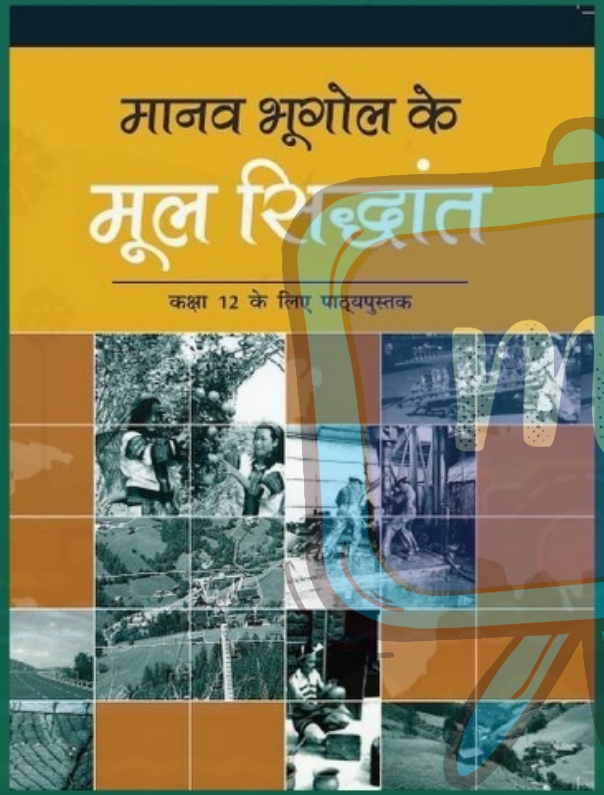
प्राथमिक क्रियाएँ

भाग - 3

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



विषय सूची

आमुख v
पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन vii

इकाई-1
अध्याय 1
मानव भूगोल
प्रकृति एवं विषय क्षेत्र 1-6

इकाई-2
अध्याय 2
विश्व जनसंख्या
वितरण, घनत्व और वृद्धि 7-12
अध्याय 3
मानव विकास 13-20

इकाई-3
अध्याय 4
प्राथमिक क्रियाएँ 21-34
अध्याय 5
द्वितीयक क्रियाएँ 35-43
अध्याय 6
तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप 44-52
अध्याय 7
परिवहन एवं संचार 53-69
अध्याय 8
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार 70-77

परिशिष्ट 78-80
शब्दावली 81-84

© NCERT not to be republished

C-3 : जनसंख्या। संघटन X
C-10 : मानव बस्ती X

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- वाणिज्य पशुधन-पालन के संबंध में निम्न में से कौन-से कथन सही है?

(a) पश्चिमी-संस्कृति से प्रभावित

(b) पूंजी-प्रधान

(c) वैज्ञानिक आधार पर व्यवस्थित

(d) उपर्युक्त सभी ✓



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रश्न :- वाणिज्य पशुधन-पालन के प्रमुख क्षेत्रों में निम्न में से कौन-कौन से देश आते हैं?

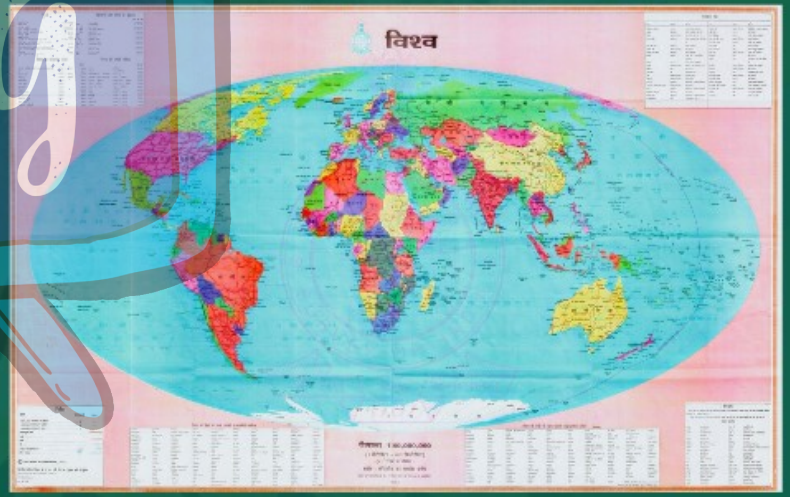
(a) ऑस्ट्रेलिया

(b) न्यूजीलैंड

(c) अर्जेंटीना

(d) उरुग्वे

(e) उपर्युक्त सभी ✓



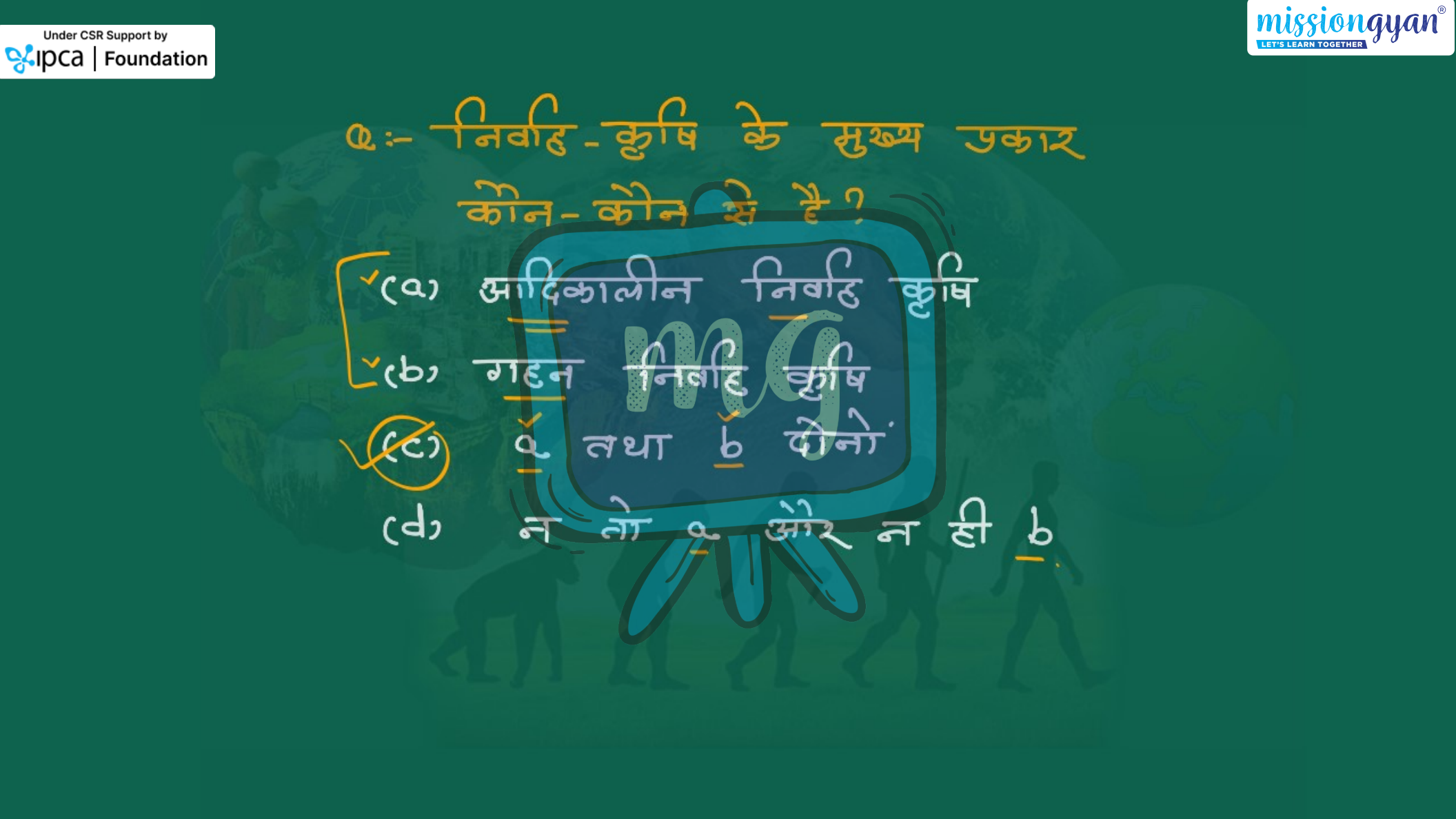
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Q :- निर्वाह-कृषि के मुख्य प्रकार कौन-कौन से है?

(a) आदिकालीन निर्वाह कृषि

(b) गहन निर्वाह कृषि

(c) a तथा b दोनो

(d) न तो a और न ही b

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- "स्थानांतरणशील कृषि" निम्न में से कृषि के किस प्रकार को कहा जाता है ?

(a) आदिकालीन निर्वाह कृषि

(b) गहन निर्वाह कृषि

(c) रोपण कृषि

(d) मिश्रित कृषि

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

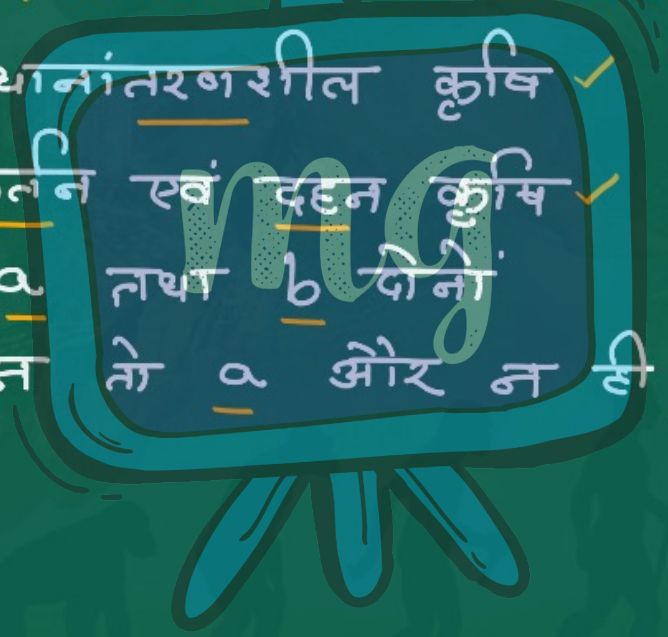
Q :- 'आदिकालीन निर्वाह कृषि' को अन्य किन नामों से भी जाना जाता है?

(a) स्थानांतरणशील कृषि ✓

(b) कर्तन एवं दहन कृषि ✓

(c) a तथा b दोनों

(d) न तो a और न ही b



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्र:- भारत के उत्तरी-पूर्वी राज्यों में 'स्थानांतरणशील कृषि' को किस नाम से जाना जाता है?

(a) बातरा → (RJ)

(b) रे — वियतनाम

(c) मिल्पा — मेक्सिको

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- सही मिलान कीजिए।

(A)	सूमिंग	(I) मैक्सिको
(B)	मिल्पा	(II) वियतनाम
(C)	लाडाग	(III) उत्तर-पूर्वी भारत
(D)	रे	(IV) इंडोनेशिया

	A	B	C	D
(a)	I	III	II	IV
(b)	III	II	IV	I
(c)	III	I	IV	II
(d)	II	III	IV	II

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



प्रमुख प्राथमिक क्रियाएँ

- आखेट
- पशुचारण
- कृषि
- खनन
- वनों से लकड़ी काटना
- भोजन संग्रह
- मछली पकड़ना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि



Under CSR Support by
ipca | Foundation

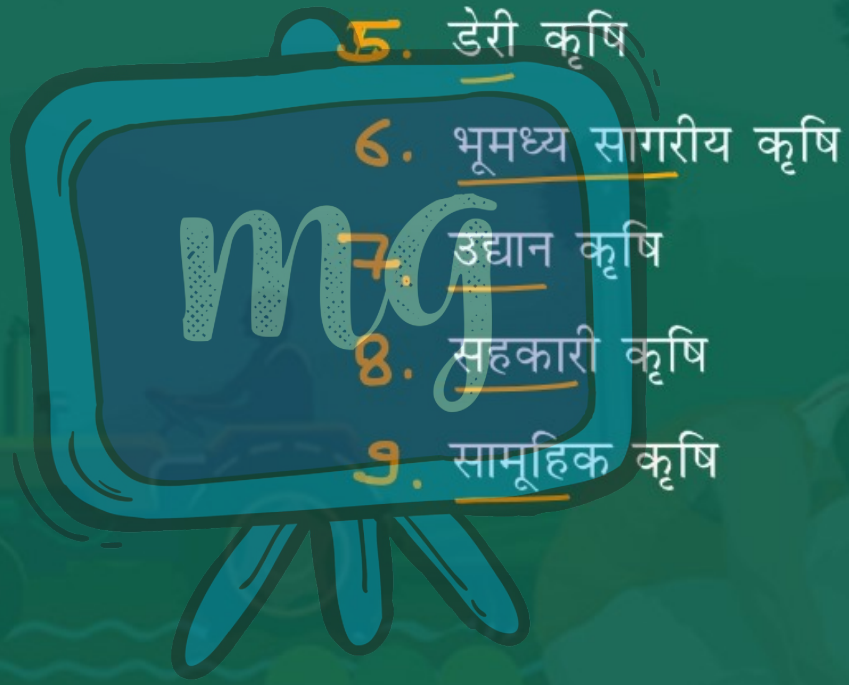
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विश्व की प्रमुख कृषि प्रणालियाँ

1. निर्वाह कृषि
   - आदिकालीन निर्वाह कृषि
   - गहन निर्वाह कृषि
2. रोपण कृषि
3. विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि
4. मिश्रित कृषि

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1. निर्वाह कृषि

इस प्रकार की कृषि में कृषि क्षेत्र में रहने वाले स्थानीय उत्पादों का संपूर्ण अथवा लगभग का उपयोग करते हैं।

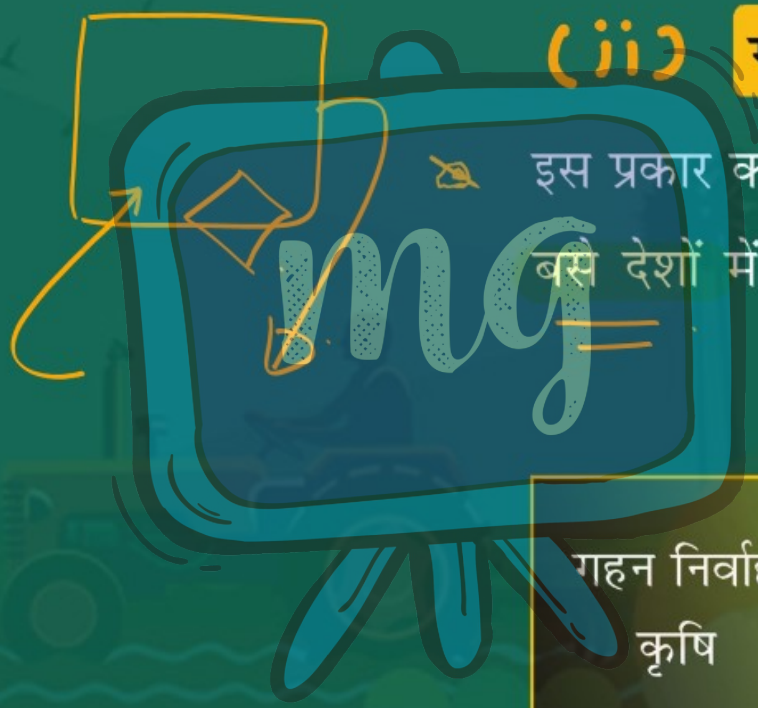


निर्वाह कृषि के प्रकार

- आदिकालीन निर्वाह कृषि
- गहन निर्वाह कृषि

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



(ii) गहन निर्वाह कृषि

- इस प्रकार की कृषि मानसून एशिया के घने बसे देशों में की जाती है।

गहन निर्वाह कृषि

- चावल प्रधान गहन निर्वाह कृषि
- चावल रहित गहन निर्वाह कृषि

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



चावल प्रधान गहन निर्वाह कृषि

- इसमें चावल प्रमुख फसल होती है।
- अधिक जनसंख्या घनत्व के कारण खेतों का आकार छोटा होता है एवं कृषि कार्य में कृषक का संपूर्ण परिवार लगा रहता है।
- भूमि का गहन उपयोग होता है एवं यंत्रों की अपेक्षा मानव श्रम का अधिक महत्त्व है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- उर्वरता बनाए रखने के लिए पशुओं के गोबर की खाद एवं हरी खाद का उपयोग किया जाता है।
- इस कृषि में प्रति इकाई उत्पादन अधिक होता है, परंतु प्रति कृषक उत्पादन कम है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

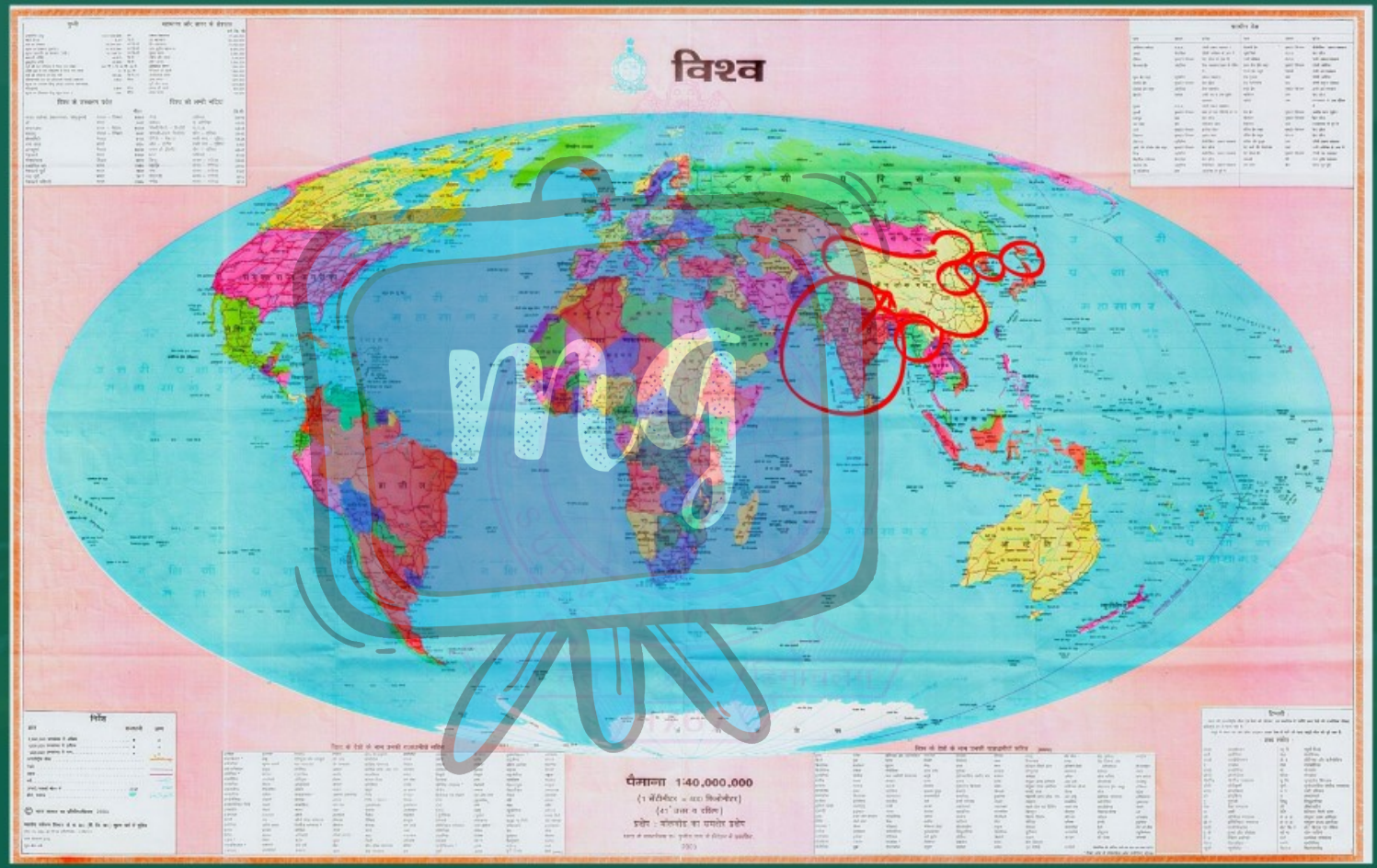


चावल रहित गहन निर्वाह कृषि:

- मानसून एशिया के अनेक भागों में उच्चावच, जलवायु, मृदा तथा अन्य भौगोलिक कारकों की भिन्नता के कारण धान की फसल उगाना प्राय: संभव नहीं है।
- उत्तरी चीन, मंचूरिया, उत्तरी कोरिया एवं उत्तरी जापान में गेहूँ, सोयाबीन, जौ आदि बोया जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



भारत में सिंध-गंगा के मैदान के पश्चिमी भाग में गेहूँ एवं दक्षिणी व पश्चिमी शुष्क प्रदेश में ज्वार-बाजरा प्रमुख रूप से उगाया जाता है।

इस कृषि की अधिकतर विशेषताएँ वो ही है जो चावल प्रधान कृषि की हैं। केवल अंतर यह है कि इसमें सिंचाई की जाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. रोपण कृषि

यूरोपीय लोगों ने विश्व के अनेक भागों का औपनिवेशीकरण किया तथा कृषि के कुछ अन्य रूपों की शुरुआत की जैसे रोपण कृषि, जो वृहद् स्तरीय लाभोन्मुख उत्पादन प्रणाली है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

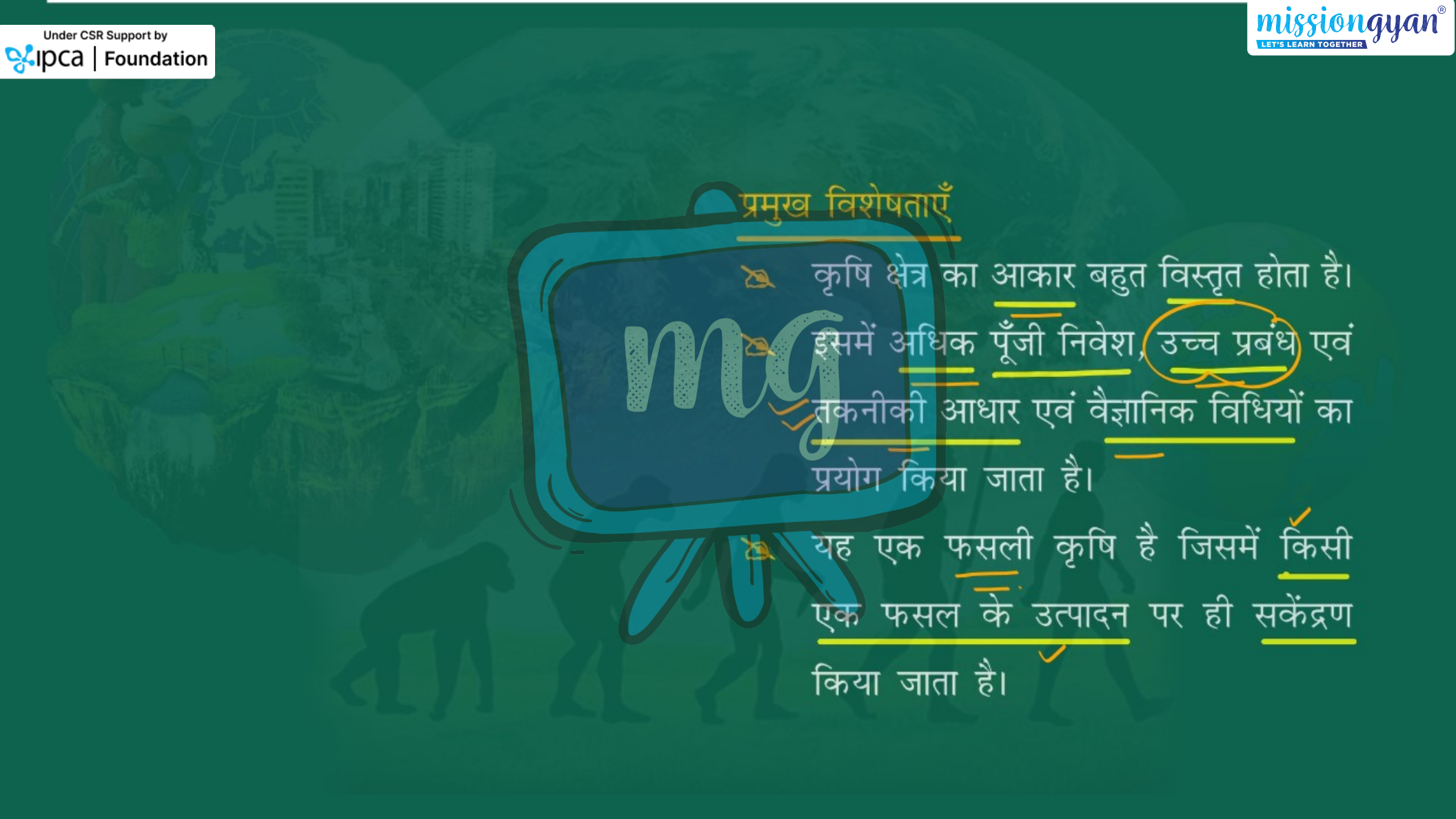
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



यूरोपीय उपनिवेशों ने अपने अधीन उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में चाय, कॉफी, कोको, रबड़, कपास, गन्ना, केले एवं अनन्नास की पौध लगाई।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

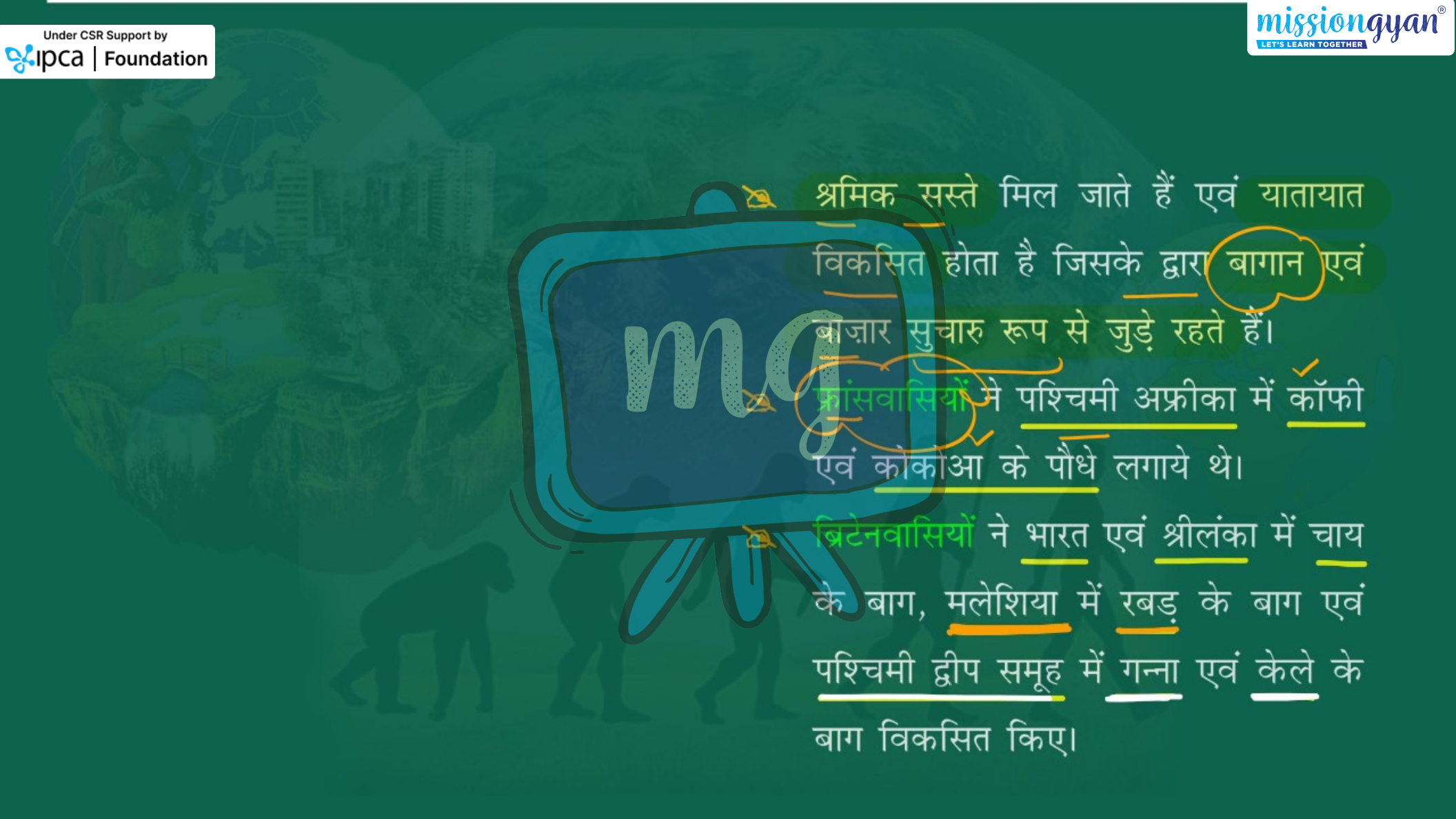


प्रमुख विशेषताएँ

- कृषि क्षेत्र का आकार बहुत विस्तृत होता है।
- इसमें अधिक पूँजी निवेश, उच्च प्रबंध एवं तकनीकी आधार एवं वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग किया जाता है।
- यह एक फसली कृषि है जिसमें किसी एक फसल के उत्पादन पर ही सकेंद्रण किया जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

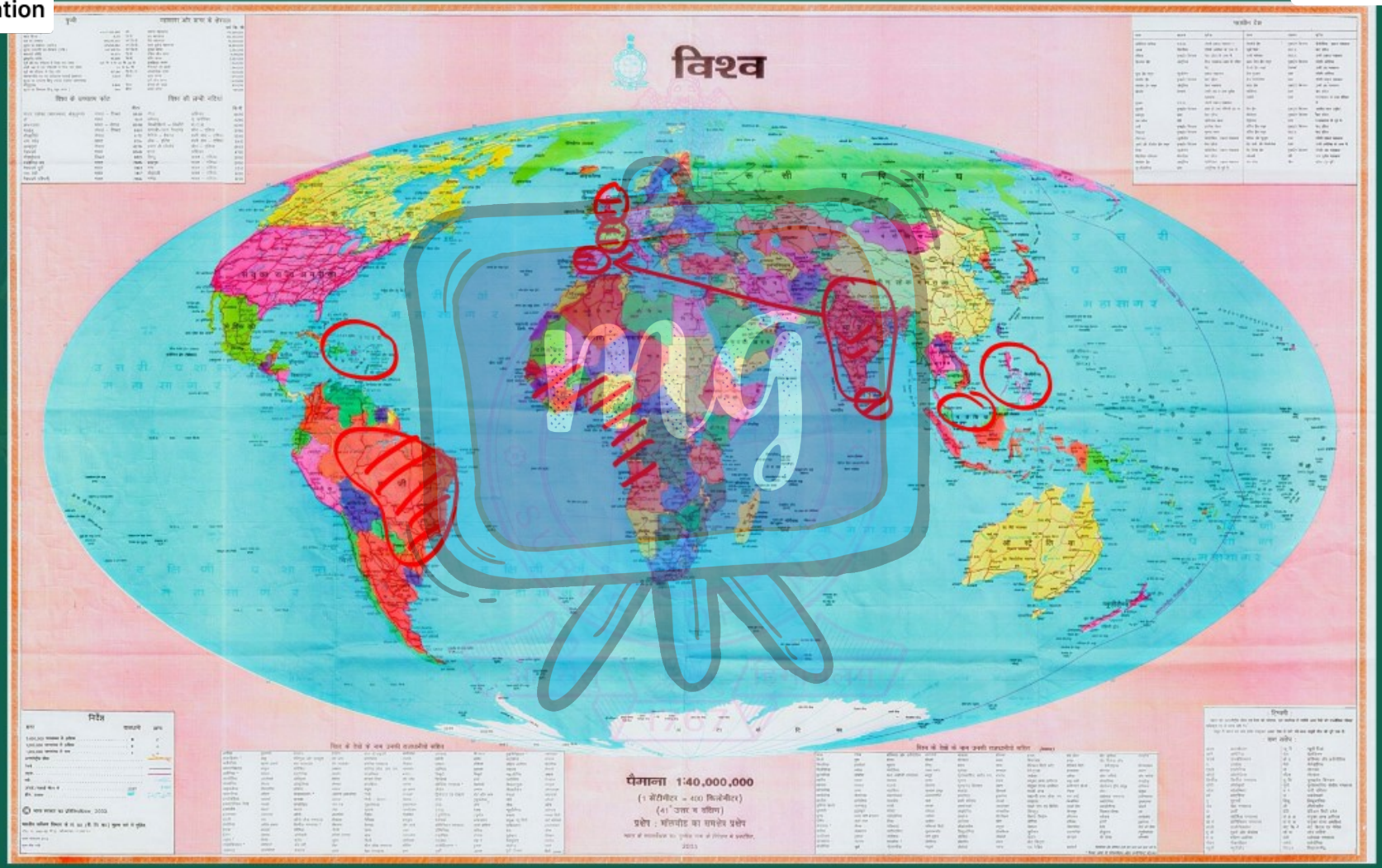
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- श्रमिक सस्ते मिल जाते हैं एवं यातायात विकसित होता है जिसके द्वारा बागान एवं बाज़ार सुचारु रूप से जुड़े रहते हैं।
- फ्रांसवासियों ने पश्चिमी अफ्रीका में कॉफी एवं कोकोआ के पौधे लगाये थे।
- ब्रिटेनवासियों ने भारत एवं श्रीलंका में चाय के बाग, मलेशिया में रबड़ के बाग एवं पश्चिमी द्वीप समूह में गन्ना एवं केले के बाग विकसित किए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- स्पेन एवं अमेरिकावासियों ने फिलीपाइंस में नारियल व गन्ने के बागान लगाए।
- इंडोनेशिया में एक समय गन्ने की कृषि में हॉलैंडवासियों (डचों) का एकाधिकार था।
- ब्राजील में अभी भी कुछ कॉफी वे बागान



जिन्हें फेज़ेंडा कहा जाता है यूरोपवासियों के नियंत्रण में है।